10 रूपये की चाय छोड़कर, उस कीमत का एक पौधा लगा उसे बड़ा करें : गहलोत

बीकानेर, (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति दस रूपये की एक चाय छोड़कर, उस कीमत का एक पौधा अवश्य लगाएं। उसे तीन साल तक बड़ा भी करें।

उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पेड़ का दोहन करता है। लिहाजा प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा लगाने का संकल्प लें। पर्यावरण संरक्षण के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। गहलोत शनिवार सुबह रिडमलसर स्थित सागर तालाब किनारे वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान कार्यक्रम में शिरकत करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने उपस्थित जनों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री ने कहा कि एक भागीरथ वे थे जो धरती पर गंगा लेकर आए। दूसरे भागीरथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हैं जिन्होंने वर्षा जल संरक्षण को लेकर ये अभियान शुरू किया है। उन्होंने कहा कि केवल एक पखवाड़े तक ही नहीं बल्कि पूरे साल हमें इस अभियान का हिस्सा बनकर जल संरक्षण करना है। प्रत्येक व्यक्ति इस अभियान का हिस्सा बने और आगे बढाए।

गहलोत ने 21 जून को विश्व योग दिवस कार्यक्रम को लेकर कहा कि प्रत्येक व्यक्ति आधे से पौने घंटे तक प्रतिदिन योग करें। तभी वह मानसिक और शारीरिक रूप से फिट रहेगा। योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री अविनाश गहलोत ने रिडमलसर स्थित सागर तालाब पर पीपल पूजन और पौधरोपण से वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान की शुरूआत की।

साथ ही नशे के खिलाफ संकल्प लेने और परिवार को मजबूत करने का आव्हान किया। गहलोत ने अहमदाबाद प्लेन हादसे की घटना को लेकर मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खाजूवाला विधायक डॉ विश्वनाथ मेघवाल ने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने किस विषम परिस्थितियों में जल का संरक्षण किया। ये हम सब अच्छे से जानते हैं। नई पीढ़ी भी जल का संरक्षण करें। साथ ही कहा कि जिला कलेक्टर ने तालाब के 147 बीघा कैचमेंट एरिया से अतिक्रमण हटाकर सागर तालाब की इस धरोहर के संरक्षण में अहम योगदान दिया है। 40 करोड़ की लागत से कबीर वाटिका का कार्य भी यहां होगा।

बीकानेर पंचायत समिति प्रधान राजकुमार कस्वां ने कहा कि पानी का मोल ग्राम वासियों से ज्यादा कोई नहीं जानता। लिहाजा जल का संरक्षण हो, दुरूपयोग ना हो। रिडमलसर सरपंच रामदयाल गोदारा ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जीवन भर जल संरक्षण हेतु आग्रह किया। वाटरशैड के अतिरिक्त मुख्य अभियंता भूप सिंह ने अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि अभियान के तहत कुल 16 सौ गतिविधियां अब तक जिले भर में आयोजित की जा चुकी है। जिसमें करीब 3 लाख लोगों ने हिस्सा लिया। इससे पूर्व सागर तालाब पर ही पीपल पूजन से कार्यक्रम की शुरूआत की गई। अतिथियों ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम के आखिर में विकास अधिकारी बीकानेर शाजिया तबस्सुम ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि अभियान के तहत जो लक्ष्य दिया गया है। उसे सबके सहयोग से पूरा करेंगे।

कार्यक्रम के आखिर में अहमदाबाद प्लेन क्रैश हादसे को लेकर दो मिनट का मौन रखा गया। कार्यक्रम में मंच संचालन गोपाल जोशी ने किया।

■ **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने उपस्थित जनों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई**

गहलोत शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान समेत सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विभागों की समीक्षा बैठक ले रहे थे। गहलोत ने कहा कि जिला स्तरीय अधिकारी महीने में एक बार प्रत्येक ब्लॉक में जाएं और वहां स्थानीय विधायक व अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ मीटिंग कर समस्याओं का तत्काल निस्तारण करें। इससे सरकार का परसेप्शन चेंज होगा। यह अधिकारियों के सहयोग से ही संभव है।

कार्यक्रम में खाजूवाला विधायक डॉ विश्वनाथ मेघवाल, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, जिला परिषद सीईओ सोहनलाल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता वाटरशैड भूप सिंह, बीकानेर प्रधान राजकुमार कस्वां, बीडीओ शाजिया तबस्सुम, विभाग के संयुक्त निदेशक एल. डी. पंवार, अभियान के जिला संयोजक गुमान सिंह राजपुरोहित, सुमन छाजेड़, महावीर रांका, सत्यप्रकाश आचार्य, रिडमलसर सरपंच रामदयाल गोदारा, अखिलेश प्रताप सिंह, श्याम सिंह हाडला, अशोक प्रजापत आदि मौजूद थे।

भगवान को शीतल पदार्थों का लग रहा भोग

बीकानेर, (कासं)। आषाढ़ मास शुरू हो गया। गर्मी अपने चरम पर है। बीकानेर में तापमान 46 डिग्री पार हो गया। ऐसे में भक्तों का मानना है कि भगवान के बाल रूप को भी गर्मी लगती है। बस इसलिए जेठ मास से शुरू हुआ भगवान को शीतलता प्रदान का दौर आज भी जारी है। बीकानेर के पुष्टिमार्गीय मंदिरों सहित अन्य मंदिरों में भगवान को गर्मी से बचाने के लिए कई जतन किए जा रहे हैं।

नौका विहार, चंदन लेप, फव्वारा मनोरथ के साथ फूल बंगले सज रहे ताकि भवान को गर्मी का अहसास ना हो। सफेद डोरिया वाले हल्के सूती और शीतल वस्त्र पहनाने के साथ ही खुले बन्ध और कूलहे वस्त्र भी पहनाए जाने लग गए। इसके साथ ही नित्यक्रम में अभिषेक और स्नान के अलावा चंदन का लेप आंवला और फुलेल (सुगंधित तेल) से अभ्यंग कराया जाना प्राथमिकता में शामिल हो गया। शीतल जल से स्नान कराया जाता है। पंचामृत स्नान भी किया जाता है, जिसमें दूध, दही, घी, बूरा, शहद और अंत में ठंडे जल का प्रयोग होता है।

इन सबके अलावा झारी में यमुना जल भरा जाता रहे ताकि आस-पास ठंडक बनी रहे। भगवान को गर्मी में कैसे व्यंजन पसंद है, इसका भी ख्याल रख रहे हैं पुजारी। सुपाच्य सामग्री के भोग में दही भात, फल, फूल, शीतल पदार्थ और मिश्री की गोल डली का भोग विशेष रूप से अरोगाया जा रहा है। बीकानेर में एक मात्र गिरिराज मंदिर में नौका विहार, फव्वारा मनोरथ आदि के आयोजन लगातार किए जा रहे हैं। फव्वारा मनोरथ के दर्शन करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

सार-समाचार

पानी के पालसिये पेड़ों पर बांधे

चिड़ियों का घर व दाना पानी के पालसिये पेड़ों पर लगाकर निशुल्क वितरण किया।

बीकानेर, (कासं)। भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान में जहां आम इंसान परेशान बेहाल है। वहीं बेजुबान पक्षियों की हालत भी नाजुक एवं चिंता जनक है। टीम नेशन फर्स्ट फाउंडेशन एवं सामाजिक क्षेत्र में अग्रणी संस्था वी. आर. फाउंडेशन की कार्यकर्ताओं द्वारा बीछवाल प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के परिसर में पेड़ों पर चिड़ियों के घर लगाये गए और पानी के लिए पालसिये पानी से भरकर रखे गए। आने वाले सभी सदस्यों को बीकानेर के सभी पार्कों के पेड़ों पर चिड़ियों के घर और पालसिये लगाने के लिए वितरण किए गए। सामाजिक सरोकार के कार्यक्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सा केन्द्र की मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर गरिमा गोदारा, संगीता पाल, रामदेव खत्री वह अन्य सभी स्टाफ का सहयोग रहा। टीम नेशन फर्स्ट फाउंडेशन के सदस्य पंकज कंसल, प्रकाश सामसुखा, संजय गोयल, दिलीप गुप्ता, वी. आर. फाउंडेशन से समाज सेविकाएं अर्चना सक्सेना गोयल, विजय मूंगिया, मंजूषा भास्कर, अलका पारीक, मधुबाला खत्री एडवोकेट वीणा खुरदरा, श्वेता खुरदरा, गीता रामचंदानी, प्रमोद शर्मा, योगेश रामचंदानी सहित अनेक सदस्यों ने इस कार्यक्रम में सहयोग किया। कॉलोनी निवासी सर्वजीत सिंह, पूजा सोनी व आयुष सोनी ने भी इस कार्यक्रम में सहयोग बनाए रखा। टीम नेशन फर्स्ट फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य दिलीप गुप्ता, पंकज कंसल, प्रकाश सामसुखा द्वारा सभी का धन्यवाद आभार व्यक्त किया।

'फरियादी की तत्काल सुनवाई करें'

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने सभी विभागों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

बीकानेर, (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि अधिकारीगण जनता के सेवक के रूप में कार्य करें। फरियादी की तत्काल सुनवाई करें। ऐसा ना हो कि फरियादी को ऑफिस के बाहर अनावश्यक रूप से 2-2 घंटे बिठाए रखे। अगर कोई काम होने वाला हो तो तत्काल करें और नहीं होने वाला हो तो ना कह दें। फरियादी को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर ना लगवाएं। गहलोत शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में वंदे गंगा'जल संरक्षण-जन अभियान समेत सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विभागों की समीक्षा बैठक ले रहे थे। बैठक में खाजूवाला विधायक डॉ विश्वनाथ मेघवाल, जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि, सुमन छाजेड़, जिला परिषद सीईओ सोहनलाल, नगर निगम आयुक्त मयंक मनीष, बीडीए आयुक्त अपर्णा गुप्ता, प्रशिक्षु आईएएस स्वाति शर्मा, एडीएम (प्रशासन) रामावतार कुमावत, अतिरिक्त मुख्य अभियंता वाटरशैड भूप सिंह, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त निदेशक एल.डी. पंवार समेत सभी विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

रक्तदान का महत्व बताया

नोखा, (कासं)। मांगीलाल बागड़ी राजकीय कॉलेज नोखा में एनसीसी इकाई ने रक्तदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में पोस्टर प्रदर्शनी और व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। एनसीसी कैडेट्स रामदेव, पंकज, रिंकी विश्नोई, सुनीता जाखड़ और द्रौपदी ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला। समाजशास्त्र की सहायक आचार्य कादम्बरी व्यास ने रक्तदान से जुड़ी भ्रांतियों को दूर किया। कार्यवाहक प्राचार्य और एनसीसी प्रभारी कैप्टन डॉ. रणवीर सिंह ने बताया कि एक यूनिट रक्तदान किसी की जान बचा सकता है। उन्होंने कहा कि 18 से 60 वर्ष का स्वस्थ व्यक्ति हर तीन महीने में रक्तदान कर सकता है। रक्तदान से कोई कमजोरी या बीमारी नहीं होती। कार्यक्रम के अंत में सभी कैडेट्स ने रक्तदान करने और समाज को जागरूक करने की शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन कैडेट रिंकी विश्नोई ने किया। डॉ. मुकेश शर्मा, डॉ. रामकिशन चौधरी, सुभाष विश्नोई, डॉ. सुमन कबिया, नरेन्द्र बैरवा, राजनारायण माहेश्वरी और बजरंग लाल पारीक की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

नोखा में एक घंटे तक झमाझम बारिश

नोखा, (कासं)। नोखा में शनिवार को दूसरे दिन मौसम ने करवट बदली। दोपहर बाद आसमान में घने बादल छाए। करीब पौने तीन बजे से बारिश शुरू हुई। बारिश से पहले तेज आंधी भी चली। बारिश ने लोगों को गर्मी से राहत दी। कई लोगों ने बारिश में भीगकर आनंद लिया। कस्बे में लोगों ने पकौड़े बनाने की तैयारियां शुरू कर दीं। हालांकि बारिश से कुछ इलाकों में परेशानी भी हुई। शहर की निचली गलियों में पानी भर गया। नवलीगेट और धर्म कांटा के पास स्थित रेलवे अंडरपास में जलभराव हो गया। टूटी सड़कों और नालियों में पानी की निकासी न होने से लोगों को दिक्कतें आई।

निगम के वाहनों पर व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम से लगेगी लगाम

बीकानेर, (कासं)। स्वच्छता निरीक्षक की ओर से ट्रैक्टर की लॉग बुक, ड्राईवर की ओर से कार चलने के किलोमीटर का हिसाब, टिपर कौन से वार्ड में कब गई। कहां और कौन-कौन से रास्ते गई। ये सब काम अब निगम के कार्मिकों से हट जायेगा। ये वो काम हैं जिसे लेने के लिए कार्मिक आपस में झगड़ते भी रहते हैं। इसमें उनकी मोटी कमाई जो होती है। अब निगम इस पर पूरी तरह लगाम लगाने जा रहा है।

निगम व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम ला रहा है। जो एक निजी फर्म काम करेगी। रोज की रोज प्रत्येक वाहन और मशीन की रिपोर्ट कमिश्नर की टेबल पर होगी। दरअसल अब तक ट्रैक्टर कौन से वार्ड में कितनी बार गया। कितने ट्रिप हुए। कितना कचरा उठाया। जेबीसी कहां गई। कितने घंटे चली। टिपर सुबह वार्ड में पहुंचा या नहीं। पहुंचा तो कितने बजे। कौन से रास्ते गया। इन सबको वेरीफाई करने का जिम्मा इंस्पेक्टर, जमादार और अन्य कार्मिकों का होता है। सरकारी गाड़ी भी कितने किलोमीटर चली। उसमें कितना डीजल-पेट्रोल डाला गया। क्या एवरेज आया। इन सबका हिसाब कार्मिक ही रखते हैं। मगर इसी में बड़े-बड़े खेल होते हैं। इसी वजह से सभी की लॉग बुक भरने से लेकर वेरीफाई करने में कमाई भी होती है। निगम आयुक्त के सामने जब दो इंस्पेक्टर्स के बीच लॉग बुक भरने के झगड़े की बात गई तो उन्होंने इस पूरे सिस्टम को एक निजी फर्म को सौंपने का निर्देश दिए। इसका टेंडर सोमवार को हो जायेगा। फर्म रोज की रोज प्रत्येक वाहन, टिपर और ट्रैक्टर का हिसाब कमिश्नर की टेबल पर भेजेगा। वहां इसका क्रॉस चैक होगा कि आखिर कौन सी गाड़ी कहां गई। ट्रैक्टर कौन से वार्ड में कितनी बार गया। टिपर कौन से रास्ते गया। गया भी या नहीं गया। उसमें फिर मिलीभगत का खेल खत्म होगा। गाड़ियों में वजन कितना है ये कचरा सेंटर पर पता लगता है।

मयंक मनीष, कमिश्नर नगर निगम बीकानेर का कहना है कि तमाम चीजों पर हम वर्क कर रहे हैं। सिस्टम को सुधारने का प्रयास कर रहा हूं। व्हीकल ट्रेकिंग सिस्टम का मैं टेंडर कर रहा हूं। जल्दी ही वो अपना काम शुरू करेगा। उसके बाद हर वाहन की पूरी डिटेल विद लोकेशन और किमी मेरे सामने होगी। फिर कोई बहाने भी नहीं चलेंगे और सही एक्शन भी लिया जायेगा।

■ **निजी कंपनी की नजर में होंगे निगम के वाहन, कोई नहीं भरेगा लॉग बुक**

डॉ.फलोदिया अस्पताल प्रभारी

बीकानेर,(कासं)। एसपी मेडिकल कॉलेज बीकानेर के अधीन संचालित एसएसबी अस्पताल में प्रशासनिक बदलाव किया गया है। सुपरिंटेंडेंट डॉ. सोनाली धवन की विदेश यात्रा के दौरान उनके स्थान पर डॉ. सुशील फलोदिया को प्रभारी अधीक्षक नियुक्त किया गया है।

डॉ. सोनाली धवन जो वर्तमान में सीनियर प्रोफेसर, एनेस्थीसिया एवं सुपरिंटेंडेंट, एसएसबी अस्पताल के पद पर कार्यरत हैं। 14 जून 2025 से 14 जुलाई 2025 तक के विशेषाधिकार अवकाश पर विदेश यात्रा पर जा रही हैं। इस दौरान अस्पताल की प्रशासनिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए उनके स्थान पर डॉ. सुशील फलोदिया, प्रोफेसर, गैस्ट्रोएंट रोलॉजी को कार्यभार सौंपा गया है। एस.पी. मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गुंजन सोनी द्वारा जारी आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि डॉ. फलोदिया 31 दिनों तक एसएसबी अस्पताल के कार्यवाहक अधीक्षक के रूप में जिम्मेदारियां संभालेंगे।

रिडमलसर में कचरे के ढेर में मिला वृद्ध का शव

बीकानेर,(कासं)। यहां रिडमलसर एरिया में एक व्यक्ति की लाश मिलने के बाद सनसनी फैल गई है। शनिवार सुबह रिडमलसर गांव के पास कचरे के ढेर के पास इस लाश को सबसे पहले ग्रामीणों ने देखा। उनकी सूचना पर ही पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान नत्थूसर गेट निवासी नत्थूराम के रूप में हुई है। मृतक करीब 60 साल का है।

शनिवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे पुलिस को सूचना मिली थी कि रिडमलसर में शुभम विहार के पास गद्दा फैक्ट्री है। इसी फैक्ट्री के बाहर एक आदमी का शव पड़ा है। पुलिस के साथ ही खिदमतगार खादिम सोसायटी और असहाय सेवा संस्थान के सदस्य मौके पर पहुंच गए। इन्हीं सोसायटी के सदस्यों की सहायता से शव को उठाकर पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। उसके पास मिले कागजात के आधार पर उसकी पहचान की गई है। ये नत्थूसर गेट के पास रहने वाला नत्थूराम पुत्र भतमाल है। नत्थूसर अपने घर से करीब पंद्रह से बीस किलोमीटर दूर रिडमलसर गांव कैसे पहुंचा इसकी जांच की जा रही है। शव मोर्चरी में रखवाया गया है, जहां पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

नत्थूराम के परिजनों को सूचना कर दी गई है, जिसके बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू हो सकी। शव को अस्पताल पहुंचाने में खदिमतगार ख़ादिम संस्थान के हाजी जाकिर, हाजी नसीम, सोयेब व असहाय सेवा संस्थान के राजकुमार खडगावत, ताहिर हुसैन, मो जुनैद, रमजान ,अब्दुल सतार, असलम की विशेष भूमिका रही।

■ **शव को पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया**

चकगर्बी में 45 बीघा जमीन से कब्जे हटाए

बीकानेर, (कासं)। सरकारी जमीनों पर बने मकान, चारदीवारी समेत तमाम तरह के कब्जे हटाने की कार्रवाई बीडीए ने जारी रखी। सुजानदेसर से लेकर कई जगह पर 45 बीघा जमीन कब्जे से मुक्त कराकर खुद के स्वामित्व के बोर्ड लगाए। कुछ लोगों ने बीडीए की कार्रवाई का विरोध भी किया।

बीडीए की टीम चकगर्बी के चक 7 बीकेएम के मुरबा नंबर 77/42,50, 97/1, 2 और 9 में 45 बीघा जमीन से कब्जे हटाए। इसमें से कई जगह तारबंदी, कहीं चारदीवारी तो कहीं पक्के मकान बने थे। बीडीए के तहसीलदार मोतीलाल चोरोटिया, भागीरथ राम यादव, जेईएन भव्यदीप, सरफराज, भू अभिलेख निरीक्षक राजकुमार चौधरी, प्रभुदयाल के अलावा हल्का पटवारी और तमाम पुलिस और होमगार्ड्स भी शामिल थे। दूसरी ओर कुछ लोगों ने एक समिति बनाकर बीडीए की कार्रवाई रोकने के लिए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। मौके पर भी तमाम लोग एकत्रित हो गए। ज्ञापन में कहा कि उन्हें अंतिम नोटिस नहीं दिया गया। जबकि बीडीए का कहना है कि एक नहीं कई बार नोटिस जारी किए गए हैं।

बीडीए अधिकारियों का कहना है कि लोग भूमाफियाओं से ठगे गए और गुस्सा बीडीए पर निकाल रहे हैं। अपने पैसे वापस लेने के लिए यही दबाव उस व्यक्ति पर बनाना चाहिए जिन्होंने उन्हें ठगा है। उनके खिलाफ एफआईआर करानी चाहिए।

इनामी तस्कर गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। आईजी की स्पेशल टीम ने छतरगढ़ पुलिस थाने में दर्ज एनडीपीएस के एक मामले में फरार चल रहे इनामी तस्कर को गिरफ्तार किया गया है।

छतरगढ़ थाना पुलिस को पिछले साल दर्ज हुए एनडीपीएस के मामले में भुट्टों का बास निवासी शबीर खां की तलाश थी। आईजी की स्पेशल टीम को उसके बारे में सूचना मिली और शबीर को गिरफ्तार कर लिया गया। एसपी ने अभियुक्त पर 5000 रूपए का इनाम घोषित कर रखा था। शबीर शातिर तस्कर है और लम्बे समय से फरार चल रहा था। अभियुक्त के खिलाफ बीकानेर और श्रीगंगानगर के अलग-अलग थानों में 6 मुकदमे दर्ज हैं। टीम में एसआई देवीलाल सारण, हैड कांस्टेबल विमलेश, कांस्टेबल सुनील और बाबूलाल शामिल थे।

पीबीएम में कैंसर व गंभीर रोगों की दवाओं की कमी

बीकानेर,(कासं)। पीबीएम अस्पताल में गंभीर बीमारियों के इलाज में उपयोग होने वाली जरूरी दवाओं की भारी किल्लत सामने आ रही है। कैंसर, प्रोस्टेट, संक्रमण और रेडियोलॉजिकल जांच में प्रयोग होने वाली कई आवश्यक दवाएं अस्पताल में उपलब्ध नहीं हैं। मरीजों को निजी मेडिकल स्टोर्स से महंगे दामों पर दवाएं खरीदनी पड़ रही हैं, जिससे आर्थिक और मानसिक तनाव बढ़ गया है।

दवाओं की अनुपलब्धता के कारण गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को या तो इलाज बीच में रोकना पड़ रहा है या बाजार से अत्यधिक कीमत पर दवाएं खरीदनी पड़ रही हैं। कैंसर पीड़ित मरीजों के लिए दवाओं की समय पर उपलब्धता जीवन रक्षक होती है। जांच के लिए आवश्यक आयोहेक्सोल इंजेक्शन के अभाव में रेडियोलॉजिकल जांचें टल रही हैं। संक्रमण व प्रोस्टेट संबंधी मरीजों को तुरंत उपचार नहीं मिल पा रहा। पीबीएम में भर्ती और आउटडोर में आने वाले मरीजों ने प्रशासन से मांग की है कि सभी आवश्यक दवाओं की आपात आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

लैपटिनिब : यह एक टायरोसिन काइनेज अवरोधक दवा है, जिसका उपयोग उन्नत या मेटास्टेटिक एचईआर-2 पॉजिटिव स्तन कैंसर में किया जाता है। कीमोथेरेपी के बाद की स्थिति में मरीजों के लिए यह दवा बेहद जरूरी होती है।

लेनालिडोमाइड : मल्टीपल माय लोमा (रक्त कैंसर) और लेप्रा रिएक्शन में उपयोगी यह दवा भी मरीजों को नहीं मिल पा रही है।

सोराफेनिब : यह गोली लीवर, किडनी और थायरॉयड कैंसर में प्रभावी मानी जाती है। दवा के शॉर्ट होने से कई कैंसर रोगियों का इलाज प्रभावित हो रहा है।

टैम्सुलोसिन : बढ़े प्रोस्टेट के मरीजों के लिए दी जाने वाली यह दवा पेशाब की तकलीफ को कम करती है।

■ **मरीजों को बाजार से महंगी दवा खरीदनी पड़ रही है**

जल व पर्यावरण संरक्षण सभी के सम्मिलित प्रयासों से ही साकार होगा : कलेक्टर

बीकानेर, (कासं)। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में वंदे गंगा, जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय सीएसआर कार्यशाला का आयोजन किया।

जिला कलेक्टर ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को जल संरक्षण कार्यों से जोड़ना है। पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य सभी के सम्मिलित प्रयासों से ही साकार होगा। उन्होंने कहा कि जिले में जल संचयन के लिए औद्योगिक इकाईयों एवं सोलर प्लांट्स को अपने क्षेत्र में अकार्यशील कुएं, हैंडपंप, बावड़ी सहित अन्य पुराने जल स्त्रोतों को पुन: जीवित करने का प्रयास करें।

जिला कलेक्टर ने संस्थाओं के प्रतिनिधियों से हरियालो राजस्थान के तहत ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण करने का आव्हान किया। उन्होंने बताया कि जिले में कुछ वर्षों से चलाए जा रहे पौधारोपण के सघन अभियानों के कारण औसत वर्षा में वृद्धि हुई है। जिले में पिछले वर्ष 30 लाख पौधे लगाये गए। इसमें से 70 प्रतिशत पौधे जीवित हैं। जिला कलेक्टर ने कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के अंतर्गत औद्योगिक इकाईयों एवं सोलर प्लांट्स परिसर में रिचार्ज शाफ्ट व रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाकर भूजल पुनर्भरण करने के लिए प्रेरित किया। सीएसआर फंड का उपयोग करते हुए ग्रीन ऑफिस इनिशिएटिव के तहत कार्यालय परिसर में भी पौधारोपण, जल संग्रहण, पुनर्भरण एवं संरक्षण के लिए विभिन्न कार्यों की जानकारी दी।

जिला कलेक्टर ने जिले में कार्यरत समस्त सोलर कंपनियों को पिछले साल में किए गए पौधारोपण, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सहित पर्यावरण संरक्षण संबंधित किए गए कार्यों की सूचना उपलब्ध करवाने को कहा गया है।

बीकानेर कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने वंदे गंगा' जल संरक्षण जन अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय सीएसआर कार्यशाला को संबोधित किया।

■ **वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम से भूजल पुनर्भरण करने के लिए प्रेरित किया**

रक्तदान के लिए लोगों को प्रेरित कर संकल्प दिलाया

बीकानेर, (कासं)। विश्व रक्तदाता दिवस पर प्रेरक एवं सामाजिक कार्यकर्ता भूरमल सोनी, मुकेश जनागल, योगेन्द्र पुरोहित, सीए निकिता, प्रणाम, विवेक टाक ने खून की बूंदों के कट आउट एवं पोस्टर का जगह-जगह प्रदर्शन कर लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया तथा ब्लड डोनेट करने के फायदों की जानकारी दी।

किस उम्र व किन लोगों को रक्तदान करना चाहिए आदि जानकारी पोस्टर्स के माध्यम से करवाई गई। पीबीएम सुप्रिडेंट डॉ. सुरेन्द्र कुमार ने ब्लड डोनेट करने के फायदों की जानकारी दी। रक्तदान करने से शरीर में बीमारियों से बचा जा सकता है। दिमाग सक्रिय रहता है। ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है। दिल स्वस्थ वजन नियंत्रित रहता है। कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा टलता है। आयरन की मात्रा कन्ट्रोल में रहकर नये ब्लड सेल्स बनते है तथा भावात्मक सेहत अच्छी रहेगी। बल्ड बैंक प्रभारी प्रोफेसर डॉ. महावर ने बताया कि सामान्य व्यक्ति एक बार में एक यूनिट ब्लड डोनेट कर तीन जिंदगियां बचा सकता है। हर तीन महीने के अन्तराल में रक्तदान कर सकता है। जिसका वजन पचास किलो हीमोग्लोबिन 12.5 से अधिक व पल्स रेट 60-100 के बीच हो, शुगर, हार्ट, अस्थमा, सांस फूलने, कैंसर, कुष्ठ रोगी, एचआईवी पॉजिटिव, ब्लीडिंग डिसआर्डर आदि रक्तदान नहीं कर सकते।

सामाजिक कार्यकर्ता भूरमल सोनी, मुकेश जनागल, योगेन्द्र पुरोहित, सीए निकिता, प्रणाम, विवेक टाक ने रक्तदान के लिए प्रेरित किया।